दुर्गा एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित

गौरवशाली
71 वर्ष

हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

नैक द्वारा मूल्यांकित

दुर्गा महाविद्यालय

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. द्वारा सम्बद्धता प्राप्त

विवरण पत्रिका, सत्र - 2022-23

जिनके स्तुत्य दान से छत्तीसगढ़ अंचल में शिक्षा के नये आयाम उद्‌घाटित हुए

जिनकी पावन मूर्तिमन्त स्मृति है
दुर्गा महाविद्यालय

संस्थापक दान-दाता
स्व. पंडित रामनारायण जी दीक्षित
(भूतपूर्व मालगुजार, रायपुर)

स्व. दुर्गा बाई दीक्षित
सुपुत्री : स्व. श्री लल्लू प्रसाद जी दीक्षित-स्व. बृजरानी बाई
भतीजी : स्व. रामनारायण जी दीक्षित

हमारे प्रेरणा स्त्रोत

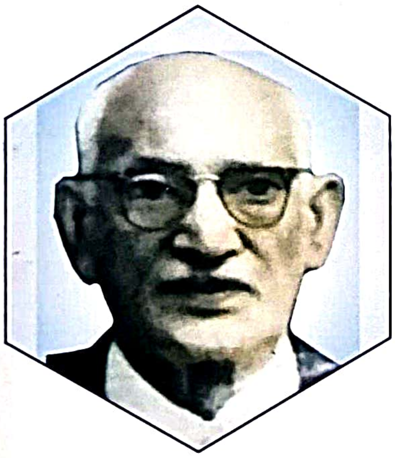

स्व. पी. भादुड़ी
संस्थापक सदस्य एवं अध्यक्ष
दुर्गा शिक्षण समिति, रायपुर

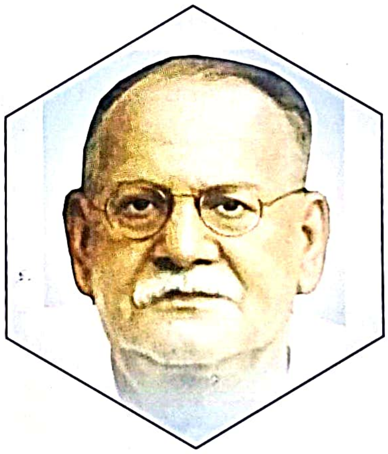

स्व. एम. भादुड़ी
संस्थापक सदस्य
दुर्गा शिक्षण समिति, रायपुर

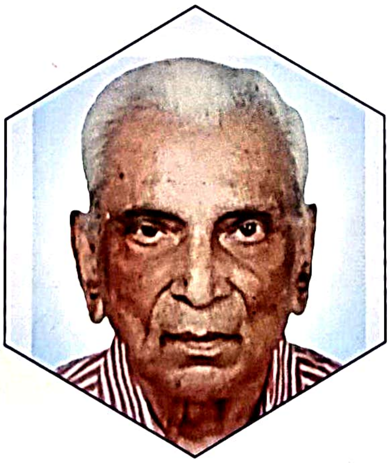

स्व. एस.के. भादुड़ी
भूतपूर्व अध्यक्ष
दुर्गा शिक्षण समिति, रायपुर

दुर्गा महाविद्यालय का इतिहास सन् 1951 से प्रारंभ होता है। स्व. पंडित रामनारायण जी दीक्षित के अतुलनीय दान, रायपुर नगर के विधिवेत्ताओं क्रमशः श्री पी. भादुड़ी, श्री एम. भादुड़ी एवं अन्य की निष्काम सेवा तथा सक्रिय सहयोग से दुर्गा एजुकेशन सोसायटी द्वारा इस संस्था की स्थापना हुई। निष्काम सेवाभाव की नींव पर आधारित यह महाविद्यालय छत्तीसगढ़ का एक अग्रणी महाविद्यालय माना जाता है। केवल 56 विद्यार्थियों को लेकर शिक्षा के महायज्ञ में उतरा यह महाविद्यालय आज लगभग 3000 से अधिक अध्येताओं को शिक्षा देने में संलग्न है। स्व. लालजी भाई शाह एवं स्व. एस.के. भादुड़ी जी के कार्यकाल में उनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय ने निरंतर उन्नति की है। इस महाविद्यालय में कला निकाय में 11 विषयों में स्नातक स्तर की तथा हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, भूगोल तथा वाणिज्य में स्नातकोत्तर स्तर की शिक्षा एवं व्यवसाय प्रबंध एवं लेखांकन में स्नातक पश्चात् डिप्लोमा में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। सत्र 2002-03 से महाविद्यालय में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग की स्थापना की गई है, जिसमें पी.जी.डी.सी., डी.सी.ए., बी.बी.ए. एवं बी. कॉम कम्प्यूटर का अध्ययन हो रहा है। सत्र 2010-11 से महाविद्यालय में बी. एड. पाठ्यक्रम जारी है। दुर्गा महाविद्यालय को विश्वविद्यालय द्वारा 05 विषयों में पी.एच.डी. शोध केन्द्र के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

संरचना : यह महाविद्यालय सुदृढ़ राष्ट्रीयता एवं जाति, धर्म, वर्ण निरपेक्षता का अनुपम उदाहरण है, सांस्कृतिक-धार्मिक-भाषिक-पारिधानिक-पारम्परिक विविधताओं का लघु भारत है। किसी भी तरह का धार्मिक और राजनैतिक प्रचार-प्रदर्शन तथा भेदभाव महाविद्यालय में वर्जित है।

आदर्श वाक्य : महाविद्यालय का आदर्श वाक्य है - "विद्या धर्मेण शोभते" छात्रों, अध्यापकों और कर्मचारियों के बीच आदर्श सामंजस्य का सतत् विकास इस आदर्श वाक्य के सत्य और तत्व को पूर्ण रूप से ग्रहण करने का परिणाम है। महाविद्यालय की इस भावना एवं दानदाताओं की त्याग भावना, को बनाये रखने हेतु हम सतत् प्रयत्नशील और समर्पित है। हम विश्वास करते हैं कि दानदाताओं की त्याग भावना, जनता की शुभेच्छाओं, विश्वविद्यालय का मार्गदर्शन, अध्यापकों की कर्त्तव्य-निष्ठा से महाविद्यालय के उज्जवल भविष्य के निर्माण तथा विकास के क्षितिजों का निर्माण करने में समर्थ होंगे।

दुर्गा महाविद्यालय

पाठ्यक्रम

बी.कॉम — बी.कॉम. एवं बी.कॉम कम्प्यूटर सहित

बी.ए. — समाज शास्त्र, राजनीति विज्ञान, हिन्दी साहित्य/उर्दू, अर्थशास्त्र/भाषा विज्ञान, दर्शनशास्त्र/मनोविज्ञान/भूगोल एवं इतिहास/अंग्रेजी साहित्य

बी.सी.ए. — तीन वर्षीय पाठ्यक्रम

पी.जी. डी.सी.ए. — एक वर्षीय पाठ्यक्रम (दो सेमेस्टर)

एम.कॉम — चार सेमेस्टर

एम.ए. — हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र एवं भूगोल (चार सेमेस्टर)

बी.एड. — द्वि वर्षीय पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर)

बी.बी.ए. — तीन वर्षीय पाठ्यक्रम (छः सेमेस्टर)

डी.सी.ए. — एक वर्षीय पाठ्यक्रम (दो सेमेस्टर)

From the Desk of the Principal

A journey of a thousand miles begins with a single step.

Lao-tzu

Education kindles the power and glory that lie within us. It is a harmonious combination of head, heart and the hands.

Durga Mahavidhyalaya is an institution with an astonishing blend of the old and the new; a deeply committed management, master teachers and spirited students.

We, at Durga Mahavidhyalaya, aim at developing self-reliant, conscientious students by equipping them with the knowledge and skills necessary to create a strong identity for themselves, in the world which is reshaping itself at an unprecedented pace with the puissance of globalisation and technology. In this present era of digitalised world, lies a challenge before every educator to nurture the young minds with holistic education.

The college provides a congenial platform to students for honing their talents both academically and in co-curricular activities. This makes them immensely capable of facing the future with sanguineness and resilience. It is to be remembered that the mind is not merely a vessel to be filled but a fire to be kindled. As long as the ideas are evinced and thoughts ignited, one can be sure of learning as every thing begins with an idea.

Durga Mahavidhyalaya holds high the banner of unity, integrity, and secularism and wishes students the very best in their educational, personal and professional evolution.

With immense pride I acknowledge the contribution of the dedicated and experienced academic and administrative staff to various endeavours undertaken by the college. We are always hands on to ensure that the our student's raison d'être are adequately addressed.

Your valuable suggestions are always welcome.

Dr. Protibha Mukherjee Sahukar
Principal
Durga College, Raipur

उप-प्राचार्य की कलम से.....

विद्या धर्मेण शोभते इस आदर्श वाक्य को अंगीकार कर आज से 72 वर्ष पूर्व महाविद्यालय की नींव छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु तत्कालीन मध्यप्रदेश राज्य में शिक्षा के मन्दिर की अवधारणा से स्थापित दुर्गा महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षण संस्थान है जहां सुदृढ़ राष्ट्रीयता, जाति धर्म एवं वर्ण निरपेक्षता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

महाविद्यालय का स्वरूप 56 छात्र-छात्राओं से आज एक वृहद आकार हमारे पूर्व प्राचार्यगण आदरणीय प्रो. रणवीर सिंह शास्त्री जी. आदरणीय प्रो. वाय.जी. जोगलेकर जी एवं आदरणीय डॉ. अशोक कुमार पारख जी के कुशल नेतृत्व में ही संभव हो सका है। हमारे महाविद्यालय में विभिन्न विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाएं संचालित की जाती है। हमारे प्रबुद्ध प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में हमारे विद्यार्थी प्रत्येक क्षेत्र जैसे क्रीड़ा, एनसीसी, एनएसएस आदि में राष्ट्रीय स्तर पर महाविद्यालय को गौरवान्वित करते है। विगत 02 वर्षो से कोविड-19 महामारी जैसे विषम परिस्थितियों में भी सीमित संसाधनों से ऑनलाईन/ऑफलाईन मोड में अध्यापन, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये शिक्षा के स्तर को बनाये रखने का अनुकरणीय प्रयास किया है। मैं इस महामारी के मध्य अभिभावकों के प्रति विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, कि उन्होंने हमारे महाविद्यालय पर विश्वास कर अपने पाल्य को अध्यापन के लिये भेजा, साथ ही साथ उन पाल्यों को भी धन्यवाद कहना अनुचित नहीं होगा जो महाविद्यालय में अनुशासित रहते हुये हमारे कर्तव्य पथ में सहयोग प्रदान किया है।

वर्तमान में राष्ट्रीय स्तर के अनेक प्रशासनिक अधिकारी, मंत्री, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी दुर्गा महाविद्यालय की देन है।

अंत में मैं छत्तीसगढ़ के भामाशाह दानवीर स्व. पंडित रामनारायण जी दीक्षित के अतुलनीय दान तथा रायपुर नगर के सम्मानित विधि विशेषज्ञों क्रमशः स्व. श्री पी. भादुड़ीजी, स्व. श्री एम. भादुड़ी जी, स्व. श्री लालजी भाई शाह जी, स्व. श्री एस.के. भादुड़ी जी तथा वर्तमान अध्यक्ष पदाधिकारी एवं विधिवेत्ताओं का आभार व्यक्त करना सिर्फ औपचारिकता प्रतीत होता है। इन विधि विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में ही महाविद्यालय का नाम छत्तीसगढ़ में स्वर्णिम अक्षर से सुशोभित हो सका है।

पुनश्चः आभार

डॉ. सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल
प्रभारी उप-प्राचार्य
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर

अध्ययन व्यवस्था : महाविद्यालय में निम्नलिखित विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था है -

बी.ए. : 1. समाज शास्त्र
2. राजनीति विज्ञान
3. हिन्दी साहित्य/उर्दू
4. अर्थशास्त्र/भाषा विज्ञान
5. दर्शनशास्त्र/मनोविज्ञान/भूगोल
6. इतिहास/अंग्रेजी साहित्य

आधार पाठ्यक्रम के साथ उपरोक्त 6 (छः) विषय समूहों में से किसी भी 3 (तीन) विषय समूह विद्यार्थी को चयन करना होगा। बी.ए. भाग-1 में लिए गए विषय बी. ए. भाग 3 तक अपरिवर्तनीय होंगे। इसमें परिवर्तन किसी दशा में संभव नहीं है। बी.ए. में पर्यावरण अध्ययन विषय का भी अध्ययन करना होगा।

एम.ए. : महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर निम्न विषयों की सेमेस्टर के आधार पर अध्यापन की व्यवस्था है :-

(1) हिन्दी, (2) अंग्रेजी,
(3) राजनीति विज्ञान, (4) भूगोल

एम.फिल. (राजनीति विज्ञान) : पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र के रूप में यह पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है।

वाणिज्य स्नातक पाठ्यक्रम :

बी.कॉम : वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर (बी.कॉम) भाग-1 एवं भाग-2 विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सभी विषय अनिवार्य है। भाग-3 में वैकल्पिक विषयों में से छात्रगण किसी भी एक समूह का चयन अपनी योग्यता व क्षमता के अनुसार कर सकते हैं। बी.कॉम में अतिरिक्त विषय के रूप में कम्प्यूटर एप्लीकेशन विषय विद्यार्थी चयन कर सकता है। बी.कॉम में पर्यावरण अध्ययन विषय का भी अध्ययन करना अनिवार्य होगा।

बी.बी.ए. : विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विषयों के साथ छः सेमेस्टर पर आधारित पाठ्यक्रम

वाणिज्य स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम -

1. एम.कॉम (चार सेमेस्टर),
2. डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट,
3. डिप्लोमा इन एकाउन्ट्स

कम्प्यूटर विज्ञान :

1. बी.कॉम (अतिरिक्त विषय कम्प्यूटर एप्लीकेशन)
2. पी.जी.डी.सी.ए.
3. डी.सी.ए.
4. बी.सी.ए.

बी. एड. :

एन.सी.टी.ई. एवं एस.सी.ई.आर.टी. द्वारा मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम बी.एड. 2010-11 से प्रारंभ किया गया है। बी.एड. के लिए निर्धारित विद्यार्थियों की संख्या 100 है। वर्तमान में यह सेमेस्टर प्रणाली युक्त द्विवर्षीय पाठ्यक्रम है। यह विभाग सर्व सुविधायुक्त शिक्षा तकनीक, मनोविज्ञान प्रयोगशाला से सुसज्जित है।

यू.जी.सी.-नेटवर्क रिसोर्स सेन्टर : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के सहयोग से दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर में यू.जी.सी. नेटवर्क रिसोर्स सेन्टर की स्थापना की गई है।

शैक्षणिक सत्र : महाविद्यालय का शैक्षणिक सत्र 2022-23 विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार प्रारंभ होगा। महाविद्यालय में अध्यापन

कार्य दो पालियों में संचालित होगा।

प्रथम पाली : प्रातः 7.30 से 2.30 बजे तक बी.एड. एवं कम्प्यूटर (बी.सी.ए., पी.जी.डी.सी.ए., डी.सी.ए.) बी.बी.ए.।

द्वितीय पाली : 10.30 से 5.30 बजे तक बी.ए./बी.कॉम, एम.ए./एम.कॉम, एम.फिल (राजनीति शास्त्र, वाणिज्य)

पाठ्येत्तर शिक्षण गतिविधियां, प्रोत्साहन एवं उपलब्ध सुविधाएं -

1. **एन.सी.सी./एन.एस.एस.** - महाविद्यालय में छात्र एवं छात्राओं के लिए एन.सी.सी (थल एवं वायु सेना विंग) संचालित है और एन.एस.एस. का भी गठन किया गया है। छात्रों को इनमें से किसी एक में अवश्य प्रवेश लेना चाहिए इस हेतु प्रभारी प्राध्यापक से सम्पर्क करें।

2. **क्रीड़ा प्रशिक्षण** - महाविद्यालय में क्रीड़ा प्रशिक्षण की समुचित व्यवस्था है। क्रीड़ा अधिकारी के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण दिया जाता है। महाविद्यालय का अपना खेल मैदान भी है।

3. **छात्र परिषद** - छात्र परिषद के सम्पोषक प्राचार्य होते हैं, जो अपने अधिकार से प्रभारी प्राध्यापक को मनोनीत करते हैं।

4. **स्नेह सम्मेलन** - उच्च शिक्षा विभाग के प्रस्तावित अकादमिक कलेण्डर के अनुसार प्रदेश के महाविद्यालयों में वार्षिक स्नेह सम्मेलन सम्पन्न कराया जाता है।

5. **बुक बैंक योजना** - निम्न आय वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए मुख्य ग्रंथालय में एवं कुछ विभागों में यह योजना संचालित है।

6. **कैरियर परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रकोष्ठ** - दुर्गा महाविद्यालय द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों के कैरियर से संबंधित दिशा-निर्देश हेतु विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, सेमीनार का आयोजन किया जाता है जिससे विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

7. **प्लेसमेंट प्रकोष्ठ** - महाविद्यालय में निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर विद्यार्थियों के रोजगार हेतु साक्षात्कार आयोजित किया जाता है।

8. महाविद्यालय में सेमीनार हाल एवं ईको प्रूफ सुसज्जित सभा भवन है।

9. पर्यावरण संरक्षण हेतु महाविद्यालय में पेड़ एवं सुन्दर बगीचा है। वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के साथ पानी की सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है।

ग्रंथालय -

1. महाविद्यालय के विद्यार्थियों को अध्ययन हेतु लगभग 60 हजार पुस्तकें उपलब्ध हैं, ई-लाईब्रेरी की सुविधा भी विद्यार्थी ले सकते हैं।
2. ग्रंथपाल सूचना जारी करेंगे जिसमें पुस्तक देने के लिए प्रत्येक कक्षा हेतु दिन और समय निर्धारित रहेंगे। पुस्तकें निर्धारित दिन और समय में दी जावेगी।
3. संदर्भ ग्रंथों को पढ़ने के लिए ग्रंथालय प्रातः 7.30 से दोपहर 2.30 (बी.एड. एवं कम्प्यूटर) खुला रहेगा।
4. सुबह 10.30 से शाम 5.30 बजे तक (बी.ए., बी.कॉम/एम.ए., एम. कॉम/एम.फिल.) खुला रहेगा।
5. स्नातक कक्षाओं के लिए प्रति छात्र दो पुस्तकें और स्नातकोत्तर कक्षाओं के लिए प्रति छात्र तीन पुस्तकें दस दिनों के लिए दी जावेगी।
6. परीक्षा में सम्मिलित होने के पूर्व सभी पुस्तकें लौटाना अनिवार्य है।
7. **ग्रंथालय विषयक अर्थदण्ड के प्रावधान** - पुस्तक वापसी की निर्धारित तिथि के बाद से बीस दिनों तक 2.00 रू. प्रतिदिन प्रति पुस्तक और उसके बाद 5.00

रू. प्रतिदिन प्रति पुस्तक वापसी की तिथि तक देय होगा।

प्रवेश-विषयक सूचनाएँ

प्रवेश हेतु पात्रता

(अ) स्नातक भाग-1

1. मा.शि.मं. छत्तीसगढ़ की 12वीं की परीक्षा या अन्य बोर्ड/विश्वविद्यालय की समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण। कोई भी विद्यार्थी जिसने अर्हतावाली परीक्षा (10+2) किसी भी संकाय से उत्तीर्ण की हो, उसे बी.कॉम/बी.ए. प्रथम वर्ष में प्रवेश की पात्रता है।
2. 12वीं अथवा समकक्ष परीक्षा में पूरक प्राप्त आवेदकों को प्रवेश की पात्रता नहीं है।
3. विगत-सत्र में स्नातक भाग-1 परीक्षा में **अनुत्तीर्ण/अनुपस्थित विद्यार्थियों को पुनः प्रवेश नहीं दिया जाएगा।**
4. किसी संकाय में स्नातक-उपाधि प्राप्त कर चुके विद्यार्थियों को अन्य संकाय के स्नातक भाग-1 में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
5. यदि विद्यार्थी स्नातक प्रथम वर्ष में संकाय परिवर्तन कर प्रवेश चाहता है, तो उसके प्राप्तांकों में से 5 प्रतिशत घटाकर उनका गुणानुक्रम निर्धारित किया जायेगा। अधिभार घटे हुए प्राप्तांकों पर देय होगा।

(ब) स्नातक भाग - 2 एवं 3

इन कक्षाओं में केवल उन्हीं विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जावेगा, जो विगत सत्र में स्नातक भाग-1 एवं 2 में इस महाविद्यालय के नियमित अध्येता के रूप में परीक्षा में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण/पूरक के लिए पात्र घोषित हुए हैं। इन्हें परीक्षाफल घोषित होने के 10 दिनों के भीतर शुल्क जमा कर प्रवेश **नवीनीकरण कराना होगा।**

(स) स्नातकोत्तर सेमेस्टर - 1 एवं 2

1. स्नातक परीक्षा में द्वितीय श्रेणी या उच्चतर प्राप्तांक वाले विद्यार्थियों ही प्रवेश के पात्र माने जायेंगे।
2. आयु सीमा और छूट नियमानुसार लागू रहेगी।
3. स्नातक परीक्षा में पूरक के पात्र आवेदकों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
4. विगत सत्र की स्नातकोत्तर सेमेस्टर 1 तथा 2 की परीक्षा में अनुत्तीर्ण या परीक्षा में सम्मिलित न होने वाले परीक्षार्थी को उसी कक्षा में पुनः प्रवेश नहीं दिया जावेगा।
5. गेप वाले विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं दिया जावेगा।
6. ऐसे विषय में प्रवेश चाहने पर, जो स्नातक स्तर में नहीं लिए गए थे या अन्य संकाय में प्रवेश चाहने पर, प्राप्तांक के योग का 5 प्रतिशत कम किया जावेगा।
7. किसी एक विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण या अनुत्तीर्ण हो चुके अध्येता को अन्य विषय में स्नातकोत्तर पूर्व में प्रवेश नहीं दिया जावेगा।

(द) स्नातकोत्तर अंतिम - सेमेस्टर 3 एवं 4

इन कक्षाओं में केवल उन्हीं आवेदकों को प्रवेश दिया जाएगा, जो महाविद्यालय के नियमित छात्र के रूप में परीक्षा में उत्तीर्ण या पिछले सेमेस्टर ATKT प्राप्त हो।

निम्नलिखित विद्यार्थी प्रवेश के लिए अपात्र माने जायेंगे

1. जिनके विरूद्ध आपराधिक या अनैतिक आचरण के मामले चल रहे हो।
2. जिनके विरूद्ध महाविद्यालय की अनुशासन समिति/महाविद्यालय परिषद/प्राचार्य ने गंभीर आपराधिक/अनैतिक/अशोभनीय आचरण के परिप्रेक्ष्य में प्रवेश न देने का निर्णय लिया हो।

महाविद्यालय की कम्प्यूटर प्रयोगशाला

3. जो परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग करने, परीक्षा में दुर्व्यवहार या बल प्रयोग करने अथवा परीक्षा संचालन में बाधा उत्पन्न करने के दोषी पाए गए हों।
4. जिनके विरूद्ध अध्ययन-अध्यापन में बाधा डालने, महाविद्यालय सम्पत्ति को क्षति पहुंचाने अथवा महाविद्यालय परिसर में अवांछित गतिविधियां करने की शिकायत हो।
5. छ.ग. शासन उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रमांक 17-98 /2017/38-2 दिनांक 15.08.2021 द्वारा सभी कक्षाओं एवं पाठ्यक्रमों में आयु सीमा के बंधन को समाप्त किया गया है।

i प्रवेश हेतु निम्नांकित प्रपत्र संलग्न करना अनिवार्य है -

(अ) 10वीं से अब-तक उत्तीर्ण परीक्षा की समस्त अंकसूची की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि।

(व) मूल स्थानांतरण प्रमाण-पत्र।

(स) चरित्र प्रमाण-पत्र की प्रति।

(द) आधार कार्ड की प्रति।

ii. निम्नलिखित प्रमाण-पत्र आवश्यक होने पर संलग्न किए जावे :-

(अ) माध्यमिक शिक्षा मंडल के अतिरिक्त अन्य बोर्ड/वि.वि. परीक्षा में उत्तीर्ण प्रवेशार्थियों को प्रवजन प्रमाण-पत्र एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर से पात्रता प्रमाण-पत्र की प्रति आवेदन-पत्र के साथ संलग्न करना होगा।

(ब) नामांकन हेतु दसवीं की अंकसूची।

(स) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग (चिकनी परत को छोड़कर) दिव्यांग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का प्रमाण-पत्र संबंधित प्रवेशार्थी जमा करेंगे।

(द) एन.सी.सी./एन.एस.एस./क्रीड़ा/सांस्कृतिक, सामाजिक क्रियाकलाप का प्रमाण पत्र यदि प्रादेशिक या राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व किया हो।

6. महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त शैक्षणिक सुविधायें मुख्यतः छत्तीसगढ़ के निवासी के लिए हैं। यह प्रतिबंध छत्तीसगढ़ में पदस्थ अन्य प्रदेश सरकार तथा केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों, राष्ट्रीयकृत बैंक तथा सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों की पुत्र-पुत्रियों पर लागू नहीं होगा। छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के छात्रों को प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त कर जमा करना अनिवार्य है।

प्रवेश प्रक्रिया :-

1. ऑनलाईन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद महाविद्यालय में सूची प्रकाशित की जाएगी।
2. वि.वि. नामांकन फार्म भरना भी आवश्यक होगा।
3. प्रवेश स्वीकृत होने के पश्चात निर्धारित शुल्कों का भुगतान निर्धारित तिथि तक बैंक ऑफ बड़ौदा, महावीर गौशाला, के.के.रोड, मोदहापारा शाखा में करना अनिवार्य है। **शुल्क निर्धारित तिथि तक जमा न होने पर प्रवेश स्वयमेव निरस्त हो जावेगा, इसके लिए छात्र स्वयं उत्तरदायी होगा।**
4. प्राचार्य को यह अधिकार है कि वे बिना कारण बताये किसी भी अध्येता का प्रवेश निरस्त कर सकेंगे।

आरक्षण, अधिभार एवं छूट

1. शासकीय नियमों एवं निर्देशों के अनुसार, अनु.जाति, अनु. जनजाति, पिछड़ा वर्ग (चिकनीपरत को छोड़कर) विकलांग तथा स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र/पुत्री तथा पौत्र/पौत्री को आरक्षण की सुविधा रहेगी।
2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों के लिए क्रमशः 15 प्रतिशत तथा 18 प्रतिशत स्थान आरक्षित होंगे। पिछड़े वर्ग (चिकनीपरत को छोड़कर) के आवेदकों के लिए 14 प्रतिशत स्थान आरक्षित होंगे। सभी वर्गों में उपलब्ध स्थानों में 30 प्रतिशत स्थान महिला छात्राओं के लिए आरक्षित होंगे।
3. गुणानुक्रम के निर्धारण हेतु शासकीय नियमों एवं निर्देशों का पालन करते हुए एन.एस.एस./एन.सी.सी. एवं क्रीड़ा विषयक अधिभार की सुविधा प्रदान की जावेगी।

अनुशासन और नियम

1. छात्र/छात्राओं का महाविद्यालय परिसर में आचरण और व्यवहार महाविद्यालय की प्रतिष्ठा के अनुरूप रहे।
2. छात्र/छात्राओं द्वारा महाविद्यालय या उसकी किसी गठित इकाई के नाम पर बाहर से किसी भी तरह से चंदा या दान लेना पूर्णतः प्रतिबंधित है। इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्यवाही की जाएगी।
3. हिंसा, आतंक, धार्मिक उन्माद, नशाखोरी और अनैतिक गतिविधियों से छात्र/छात्राएँ दूर रहें। यदि ऐसे आरोपों से वे प्रमाणित हुए तो उन्हें तत्काल महाविद्यालय से निकाल दिया जाएगा।
4. महाविद्यालय की सम्पत्ति, भवन, पुस्तकालय, प्रयोगशाला आदि की सुरक्षा और स्वच्छता प्रत्येक अध्येता का दायित्व होगा।
5. विश्वविद्यालय अधिनियम में अनुशासनहीनता विषयक प्रावधान-विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के अधीन बनाए गए अध्यादेश क्रमांक 7 की धारा 13 के अनुसार महाविद्यालय के छात्र/छात्रा द्वारा महाविद्यालय में अथवा बाहर अनुशासनहीनता किए जाने पर, ऐसे छात्र-छात्रा के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए प्राचार्य सक्षम है।अनुशासनहीनता के लिए अध्यादेश में निम्नांकित दंड का प्रावधान है।

(1) निलम्बन (2) निष्कासन (3) विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित करना।

6. अनुशासहीनता, लगातार अनुपस्थिति, शुल्कों का नियमित जमा न किया जाना, असंतोषजनक आचरण, रैगिंग आदि के कारण प्राचार्य किसी भी अध्येता का नाम महाविद्यालय सूची से काटने में सक्षम है।
7. अध्येताओं को प्रतिदिन महाविद्यालय आते समय परिचय पत्र (आई कार्ड) साथ में रखना अनिवार्य है। परिचय पत्र के बिना आने पर पहली बार 50 रू. तथा अगली बार 80 रू. अर्थदंड भरना होगा। आई कार्ड में पासपोर्ट आकार का नवीनतम फोटा लगाया जाए। परिचय पत्र खो जाने या नष्ट हो जाने पर पुलिस रिपोर्ट एवं शपथ पत्र के साथ 50 रू. शुल्क जमा करने पर दूसरा परिचय पत्र दिया जाएगा। परिचय पत्र की जाँच कभी भी की जा सकती है।
8. छात्र/छात्राओं को सायकल, स्कूटर या अन्य वाहन स्टैण्ड पर रखना अनिवार्य है। अन्यत्र रखने पर आर्थिक दंड लगाया जायेगा।
9. छात्रों और छात्राओं के लिए पृथक-पृथक छात्र कक्ष और छात्रा कक्ष है। खाली पीरियड में उनका उपयोग किया जाए महाविद्यालय परिसर में घूमने वाले अध्येताओं पर अनुशासनहीनता की कार्यवाही की जाएगी।

10. यदि छात्र/छात्राओं को व्यक्तिगत स्तर पर या सामूहिक रूप से कोई कठिनाई हो या किसी काम को करने की अनुमति लेनी हो तो वे विभागाध्यक्ष अथवा प्राचार्य को लिखित निवेदन देंगे।
11. अध्येताओं को अध्ययन हेतु निर्धारित समय पर कक्षाओं में उपस्थिति आवश्यक है।

रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित

छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम 2001 के अंतर्गत रैगिंग से अभिप्राय है किसी छात्र को मजाक पूर्ण व्यवहार से या अन्य प्रकार से उत्प्रेरित, बाध्य या मजबूर करना जिससे उसके मानवीय मूल्यों का हनन या उसके व्यक्तित्व का अपमान या उपहास अभिदर्शित होता हो या किसी विधि पूर्ण कार्य करने से प्रविरत करना आपराधिक, दोषपूर्ण अवरोध, दोषपूर्ण परिरोध या उसे क्षति पहुँचाना या उस पर आपराधिक बल के प्रयोग द्वारा या ऐसी आपराधिक धमकी, दोषपूर्ण अवरोध, दोषपूर्ण परिरोध, क्षति या आपराधिक बल प्रयोग करना।

रैगिंग में लिप्त होने पर दिया जाने वाला दण्ड

(1) प्रवेश निरस्त किया जाना।
(2) संस्था से निष्कासित किया जाना।
(3) छात्रवृत्ति अथवा अन्य सुविधा रोकना।
(4) परीक्षाओं से वंचित करना।
(5) परीक्षा परिणाम रोकना।
(6) राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय तथा युवा उत्सव में भाग लेने पर प्रतिबंध।
(7) पाँच साल तक कारावास की सजा या 5000 रूपये जुर्माना या दोनों।

उपस्थिति संवंधी विश्वविद्यालय के नियम

विश्वविद्यालय अधिनियम 1973 के अधीन अध्यादेश क्रमांक 6 के अनुसार महाविद्यालय के नियमित छात्र/छात्रा को विश्वविद्यालय परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। इस प्रावधान का पालन दृढ़तापूर्वक किया जाएगा।

विशेष : जाली प्रमाण पत्रों, गलत जानकारी, जानबूझकर छिपाये गए तथ्यों, प्रशासकीय अथवा कार्यालयीन असावधानीवश यदि किसी आवेदक को प्रवेश मिल गया है, तब ऐसे प्रवेश को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार प्राचार्य को है।

पोस्टर चिपकाना व दीवारों पर लिखना प्रतिबंधित :

महाविद्यालय की दीवारों पर लिखना या पोस्टर चिपकाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसा करने वालों को अर्थदंड के अलावा महाविद्यालय से निकाले जाने का दंड दिया जा सकता है। साथ ही कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी।

सुविधाएं :

1. ई-लाइब्रेरी की विशेष सुविधा।
2. ICT सुसज्जित सेमीनार हाल।
3. महाविद्यालय परिसर CCTV की सतत् निगरानी में है।
4. खेल मैदान भी उपलब्ध है।

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अवकाश के दिनों में खेल मैदान सहित महाविद्यालय परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा।
2. महाविद्यालय में अनाधिकृत प्रवेश वर्जित है।
3. कोविड महामारी को देखते हुए सोशियल डिस्टेंसिंग एवं मास्क का प्रयोग अवश्य करें।
4. कोविड के कारण उत्पन्न किसी भी प्रकार के तनाव एवं मानसिक संताप की स्थिति में महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध काउंसलर की मदद ली जा सकती है।

शासी निकाय के पदाधिकारी

1. श्री शेखर अमीन - अध्यक्ष
2. डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार- पदेन सचिव (प्राचार्य)
3. श्री एन.सी. गुप्ता - सदस्य (दुर्गा एजुकेशन सोसायटी प्रतिनिधि)
4. श्री शिशिर भंडारकर - सदस्य (दुर्गा एजुकेशन सोसायटी प्रतिनिधि)
5. डॉ. एस.के. जाधव - सदस्य (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि)
6. श्री शम्स परवेज़ - सदस्य (विश्वविद्यालय प्रतिनिधि)
7. डॉ. राजेन्द्र कुमार शुक्ला - सदस्य (शिक्षक प्रतिनिधि)
8. श्री रविन्द्र सिंह - सदस्य (शिक्षक प्रतिनिधि)

महाविद्यालय के अध्यापकगण

वाणिज्य

डॉ. बबीता पाठक, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)
डॉ. एस. के. अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक
डॉ. ए.के. शर्मा, सहायक प्राध्यापक
डॉ. राजेन्द्र कुमार शुक्ला, सहायक प्राध्यापक
डॉ. व्ही. के. चौबे, सहायक प्राध्यापक
डॉ. मीना पिंजानी, सहायक प्राध्यापक
डॉ. जी. एस. गुप्ता, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. दिव्या शुक्ला, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. वसीमुद्दीन, संविदा सहायक प्राध्यापक
प्रो. सुखप्रीत कौर, संविदा सहायक प्राध्यापक

अंग्रेजी

डॉ. मधु कामरा, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)
डॉ. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार, सहायक प्राध्यापक
डॉ. दीपाली शर्मा, सहायक प्राध्यापक
डॉ. श्रीमती योगिता लोनारे, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. संजुक्ता मुखर्जी राय, संविदा सहायक प्राध्यापक

हिन्दी

डॉ. आर. के. तिवारी, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)
डॉ. रोशनी मिश्रा, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. गणेश शंकर पाण्डेय, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. नीलिमा शर्मा, संविदा सहायक प्राध्यापक

राजनीति शास्त्र

डॉ. ए. के. चन्द्राकर, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)
डॉ. सुष्मिता सेन, सहायक प्राध्यापक
डॉ. सुभाष चन्द्राकर, सहायक प्राध्यापक
डॉ. अमन झा, संविदा सहायक प्राध्यापक

भूगोल

डॉ. पूर्णिमा शुक्ला, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)
डॉ. जे. के. होता, संविदा सहायक प्राध्यापक
प्रो. श्रीमती सुनीता चनसोरिया, संविदा सहायक प्राध्यापक
डॉ. संजीब प्रामानिक, संविदा सहायक प्राध्यापक

प्रबंध
श्रीमती चेतना नायक

अर्थशास्त्र
डॉ. एन. श्रीवास्तव, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

भाषा विज्ञान
डॉ. मोतीलाल साकार, संविदा सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

इतिहास
डॉ. के. के. पटेल, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

दर्शनशास्त्र
डॉ. रंजना शर्मा, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

मनोविज्ञान
डॉ. शकुन्तला दुल्हानी, संविदा सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

समाजशास्त्र
डॉ. राजेश शुक्ला, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

उर्दू
डॉ. आस्मा सईद, सहायक प्राध्यापक (विभागाध्यक्ष)

कम्प्यूटर
प्रो. विभा दुबे, सहायक प्राध्यापक (परि.28, विभागाध्यक्ष)

प्रो. रवीन्द्र सिंह राजपूत, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

प्रो. कविता भारती, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

डॉ. मोनिका पटेल, संविदा सहायक प्राध्यापक

श्री समिक भट्टाचार्य (अतिथि प्राध्यापक)

शिक्षा
डॉ. संजीवनी ठाकुर, सहायक प्राध्यापक (परि.28, विभागाध्यक्ष)

डॉ. अर्चना गोमास्ता, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

डॉ. प्रगति दुबे, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

डॉ. नमिता खोटेले, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

प्रो. कुसुम राठौर, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

प्रो. श्रीमती प्रतिभा खंडेलवाल, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

डॉ. इति बेनर्जी, सहायक प्राध्यापक (परि. 28)

ग्रंथालय
डॉ. पूर्णिमा शाह, ग्रंथपाल (संविदा)

खेल
क्रीड़ा अधिकारी

दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)
कार्यालयीन कर्मचारी गण

क्र.	तृतीय श्रेणी कर्मचारी	पद
1.	श्री पी.के. वर्मा	प्रभारी रजिस्ट्रार
2.	श्री के.पी. त्रिपाठी	प्रयोगशाला सहायक
3.	श्री आर.के. भोई	लिपिक
4.	श्रीमती नीलिमा शर्मा	लिपिक
5.	श्री दिनेश तिवारी	कम्प्यूटर ऑपरेटर
6.	श्री विजय कुमार पटेल	कम्प्यूटर ऑपरेटर
7.	श्री हरिश चन्द्र साहू	कम्प्यूटर ऑपरेटर
8.	श्री देवनारायण साहू	कम्प्यूटर ऑपरेटर
9.	श्री देवेन्द्र निषाद	कम्प्यूटर ऑपरेटर
10.	श्री महेश सोनी	लिपिक

क्र.	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
1.	श्री बालक दास
2.	कु. गीता बिंदवाल
3.	श्री भागचंद
4.	श्री मोहन सिंह क्षत्रिय
5.	श्री नंद कुमार बघेल
6.	श्री विनोद कुमार
7.	श्री रोमनाथ ओझा
8.	श्री मनोज शुक्ला
9.	श्रीमती प्रमिला
10.	श्रीमती शांति
11.	श्रीमती जमुना
12.	श्रीमती ललिता
13.	श्रीमती सरिता बाई
14.	श्री मोहन राव
15.	श्री श्रवण कुमार

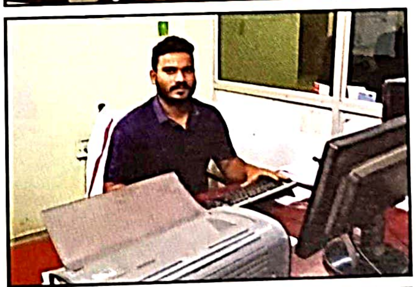
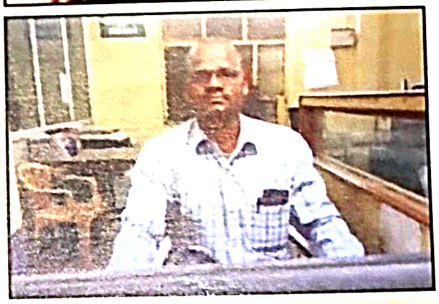

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु देय वार्षिक शुल्क
2022-2023

स. क्र.	विवरण	नियमित पाठ्यक्रम						स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत पाठ्यक्रम				
		बी.कॉम. प्रतिवर्ष	बी.कॉम. (कम्प्यूटर)	बी.ए. प्रतिवर्ष	एम.कॉम. (सेमेस्टर)	एम.ए. (सेमेस्टर)	एम.ए.प्रेक्टिकल (सेमेस्टर)	बी.बी.ए. प्रतिवर्ष	बी.सी.ए. प्रतिवर्ष	पीजीडीसीए वार्षिक	डीसीए वार्षिक	बी.एड.
1.	प्रवेश शुल्क	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00
2.	शिक्षण शुल्क (50 प्रतिशत शासन को देय)	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	1000.00
3.	परिचय पत्र	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	20.00	15.00
4.	सायकल स्टैण्ड एवं रखरखाव	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	15.00
5.	छात्र गतिविधियाँ (छात्र संघ युवा उत्सव, पुरस्कार वितरण)	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	80.00	70.00
6.	ग्रंथालय कोष	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	200.00	500.00	500.00	500.00	200.00	600.00
7.	शिक्षा प्रबंध कोष	3900.00	3900.00	3900.00	4700.00	4700.00	4700.00	12700.00	12700.00	14500.00	5500.00	12800.00
8.	विकास एवं रखरखाव कोष	1200.00	1200.00	1200.00	1600.00	1600.00	1600.00	1700.00	1700.00	3200.00	1400.00	3000.00
9.	प्रशासनिक प्रबंध कोष	1700.00	1700.00	1700.00	2500.00	2500.00	2500.00	5900.00	5900.00	5600.00	4100.00	
10.	प्रयोगशाला					100.00	100.00					920.00
11.	सेमीनार				400.00	400.00	400.00					
12.	कम्प्यूटर		4070.00									
13.	शारीरिक कल्याण	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
14.	सेमेस्टर व्यय				1560.00	1560.00	1560.00					
15.	स्थापना प्रबंध कोष											10000.00
16.	अमानत राशि											1500.00
		7700.00	11700.00	7700.00	11660.00	11660.00	11760.00	21500.00	21500.00	24500.00	11900.00	30220.00
	देय विभिन्न विश्वविद्यालय शुल्क (प्रयोज्यानुसार)											
15.	वि.वि. को देय शारीरिक कल्याण शुल्क	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00
16.	नामांकन शुल्क	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	100.00
17.	नामांकन फार्म	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00	50.00
18.	अप्रवजन	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	360.00	300.00
19.	नाम/उपनाम परिवर्तन	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00	150.00
20.	संकाय परिवर्तन	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00

स्ववित्तीय पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित विद्यार्थी संख्या

क्र.	विषय	अधिकतम सीट	अवधि
1.	बी.बी.ए. (छः सेमेस्टर)	40	3 वर्ष
2.	बी.सी.ए. (त्रिवर्षीय)	30	3 वर्ष
3.	पी.जी.डी.सी.ए. (दो सेमेस्टर)	60	1 वर्ष
4.	डी.सी.ए. (दो सेमेस्टर)	40	1 वर्ष
5.	बी.एड. (चार सेमेस्टर)	100	2 वर्ष

एन.सी.सी. / एन.एस.एस. गतिविधियाँ

प्रभारी प्राध्यापक

1. स्क्वाड्रन लीडर डॉ. व्ही. के. चौबे (एयर विंग)
2. कैप्टन डॉ. अर्चना गोमास्ता (थल सेना, छात्रा विंग)
3. केयर टेकर प्रो. कविता भारती (थल सेना, छात्र विंग)
4. प्रो. सुनीता चनसोरिया, कार्यक्रम अधिकारी (एन.एस.एस.)

एन.सी.सी. के कैडेट्स की गणतंत्र दिवस परेड 2022 दिल्ली में भागीदारी

सार्जेन्ट प्रिया सिंह (थल सेना)

कैडेट वारंट ऑफिसर विशाल दुबे (वायु सेना)

सत्र 2021–22 में महाविद्यालय के छात्र / छात्राओं की विभिन्न खेलो मे उपलब्धियां

नाम	कक्षा	खेल का नाम	प्रतिनिधित्व
सुभाष लहरे	बी.ए.1	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर (खेलो इंडिया, स्वर्ण पदक विजेता)
विजय कुमार	बी.ए.3	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर (खेलो इंडिया, स्वर्ण पदक विजेता)
कोमल महेश्वरी	बी.ए.1	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर (खेलो इंडिया, कांस्य पदक विजेता)
भवानी	बी.ए.1	कबड्डी	वि.वि. स्तर
पूर्वी नायक	बी.ए.1	फुटबाल	वि.वि. स्तर
साक्षी नायिक	बी.कॉम.2	फुटबाल	वि.वि. स्तर
कीर्ति पटेल	बी.कॉम.2	फुटबाल	वि.वि. स्तर
गौतम साहू	बी.कॉम.2	योगा	अखिल भारतीय स्तर
सूरज सिंह झा	बी.ए.1	बाक्सिंग	अखिल भारतीय स्तर
कैलाश यदू	बी.ए.3	बाक्सिंग	अखिल भारतीय स्तर
प्रदीप सोनी	बी.ए.2	फुटबाल	वि.वि. स्तर
शिवम सिंह राजपूत	बी.ए.1	एथलेटिक्स	अखिल भारतीय स्तर
थोटा संक्रीतना	बी.ए.1	एथलेटिक्स	अखिल भारतीय स्तर
उत्तम कुमार साहू	बी.ए.2	कबड्डी	वि.वि. स्तर
रिंकी सोनवानी	बी.ए.1	तीरादांजी	अखिल भारतीय स्तर
आदित्य कुमार	बी.ए.3	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर
रोहित कुमार झा	बी.कॉम.1	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर
दामिनी निषाद	बी.ए.3	वेटलिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर
चंचल नायक	बी.ए.3	नौकायान	अखिल भारतीय स्तर
धीरेन्द्र कुमार वर्मा	बी.ए.1	बास्केटबॉल	वि.वि. स्तर
		नेटबॉल	अखिल भारतीय स्तर
दिनेश बाघ	बी.ए.1	बास्केटबॉल	वि.वि. स्तर
दीपक साहू	बी.ए.2	ताइक्वाड़ो	अखिल भारतीय स्तर
मो. अरिफ मंसूरी	बी.ए.1	ताइक्वाड़ो	अखिल भारतीय स्तर
विकास सोनकर	बी.ए.3	ताइक्वाड़ो	अखिल भारतीय स्तर
मनराज कैलसी	बी.ए.3	पावर लिफ्टिंग	अखिल भारतीय स्तर
अमन गुटे	बी.ए.3	क्रिकेट	वि.वि. स्तर
गौरव चतुर्वेदी	बी.ए.2	क्रिकेट	वि.वि.स्तर
मनन काचा	बी.ए.2	क्रिकेट	वि.वि. स्तर

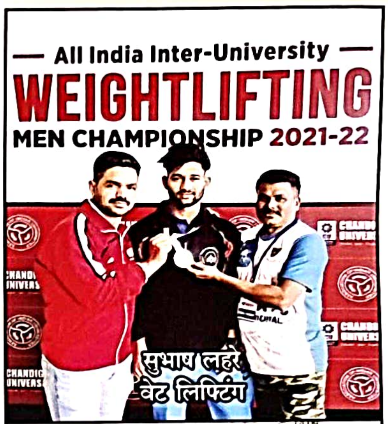

सुभाष लहरे
वेट लिफ्टिंग

विजय महेश्वरी
वेट लिफ्टिंग

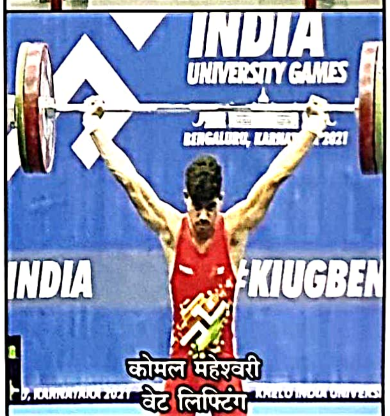

कोमल महेश्वरी
वेट लिफ्टिंग

गौरव चतुर्वेदी
अंतर वि.वि. क्रिकेट

महाविद्यालय में उत्कृष्ठ प्रदर्शन एवं विभिन्न कक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दान–दाताओं द्वारा प्रतिवर्ष निम्न पदक प्रदान किये जाते हैं।

क्र.	पदक का नाम	कक्षा
1.	स्व. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्मृति पदक	एम.कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर
2.	स्व. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्मृति पदक	एम.ए. अंग्रेजी चतुर्थ सेमेस्टर
3.	स्व. बैरिस्टर वामनराव देशमुख स्मृति पदक	एम.ए. राजनीति विज्ञान चतुर्थ सेमेस्टर
4.	स्व. श्री अर्जुनदास धुप्पड़ स्मृति पदक	एम.ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर
5.	धुप्पड़ परिवार पदक	एम.ए. भूगोल चतुर्थ सेमेस्टर
6.	स्व. पंचानन भादुड़ी स्मृति पदक	बी.कॉम. (समुच्चय)
7.	स्व. श्रीमती कौशल्या बाई स्मृति पदक	बी.ए. (समुच्चय)
8.	स्व. शशि धुप्पड़ स्मृति पदक	बी.ए. अंतिम वर्ष (छात्रा) इतिहास
9.	स्व. मेघराज बेगानी स्मृति पदक	बी.ए. अंतिम वर्ष दर्शन शास्त्र
10.	स्व. प्रो. डी.एस. काले स्मृति पदक	बी.ए. अंतिम वर्ष राजनीति शास्त्र
11.	स्व. चंदनमल सुराना स्मृति पदक	बी.कॉम. भाग एक
12.	स्व. चंदनमल लोढा स्मृति पदक	बी.कॉम. भाग दो
13.	स्व. तुकाराम साकरकर स्मृति पदक	पीजीडीसीए
14.	स्व. प्रो. एफ.एल. शर्मा स्मृति पदक	एम.फिल. वाणिज्य
15.	स्व. डॉ. किशोर राव देशमुख स्मृति पदक	एम. फिल. राजनीति
16.	स्व. रावसाहब देशमुख स्मृति पदक	सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी
17.	दुर्गा महाविद्यालय द्वारा प्रदत्त	अध्यक्ष छात्रसंघ सत्र

- विभिन्न खेलों में पं. रविशंकर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों को महाविद्यालय की ओर से गौरवान्वित किया जाता है।
- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की विभिन्न परीक्षाओं में अधिकतम अंक तथा प्राविण्यता प्राप्त अध्येताओं को महाविद्यालय द्वारा रजत पदक प्रदान किए जाते हैं। इस हेतु विद्यार्थी का प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।
- स्व.श्रीमती कमल रावसाहब देशमुख द्वारा प्रदत्त राशि से खेलकूद के लिए विशेष पुरूस्कार दिया जाता है।
- स्व.प्रो. पी. व्ही. चंद्राकर द्वारा अपनी माताजी श्रीमती पतैया बाई चंद्राकर की स्मृति में दर्शनशास्त्र विभाग के उन्नयन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- स्व. मेघराज वेगानी स्मृति पदक बी.ए. दर्शनशास्त्र में सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता को प्रदान किया जाता है।
- दर्शनशास्त्र के मेधावी छात्र-छात्राओं को आचार्य श्री जयचंद सूरी महाराज जी छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- स्व. शशि स्मृति पदक बी.ए. इतिहास में सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता छात्रा को प्रदान किया जाता है।
- स्व. प्रो. डी. एस. काले स्मृति पदक, बी.ए. राजनीति विज्ञान में सर्वाधिक अंक प्राप्तकर्ता को प्रदान किया जाता है।
- दुर्गा महाविद्यालय रायपुर द्वारा छात्र संघ अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह स्वरूप पदक दिया जाता है।

युवा–महोत्सव, वार्षिक समारोह "उत्सव 2021", शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ एवं भ्रमण

स्वच्छता, जागरूकता अभियान एवं पर्यावरण संरक्षण

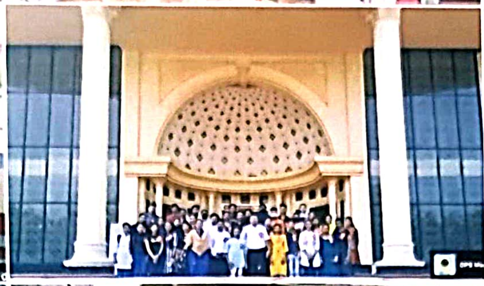

सत्र 2021-22 की गतिविधियाँ

कोरोना महामारी के कारण सत्र 2021-22 में **Online/Offline** अध्यापन कार्य एवं अन्य कार्यक्रमों का संचालन किया गया, **Online** कार्यक्रमों में मुख्य रूप से प्राध्यापकों द्वारा **Webinar** एवं **Group discussion** तथा आमंत्रित वक्ताओं के द्वारा विशेष दिवस पर जैसे अन्तराष्ट्रीय नशामुक्ति दिवस, वृक्षारोपण दिवस, अवसाद निवारण दिवस, अन्तराष्ट्रीय योग दिवस, स्वच्छता दिवस एवं टीकाकरण दिवस जैसे अवसरों पर छात्रों का मार्गदर्शन किया गया, एवं टीकाकरण की अनिवार्यता को समझाते हुए महाविद्यालय में टीकाकरण कैम्प की व्यवस्था की गई।

इस अवधि में महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा विभिन्न मंचो पर विशेष उपलब्धियाँ हासिल की गई।

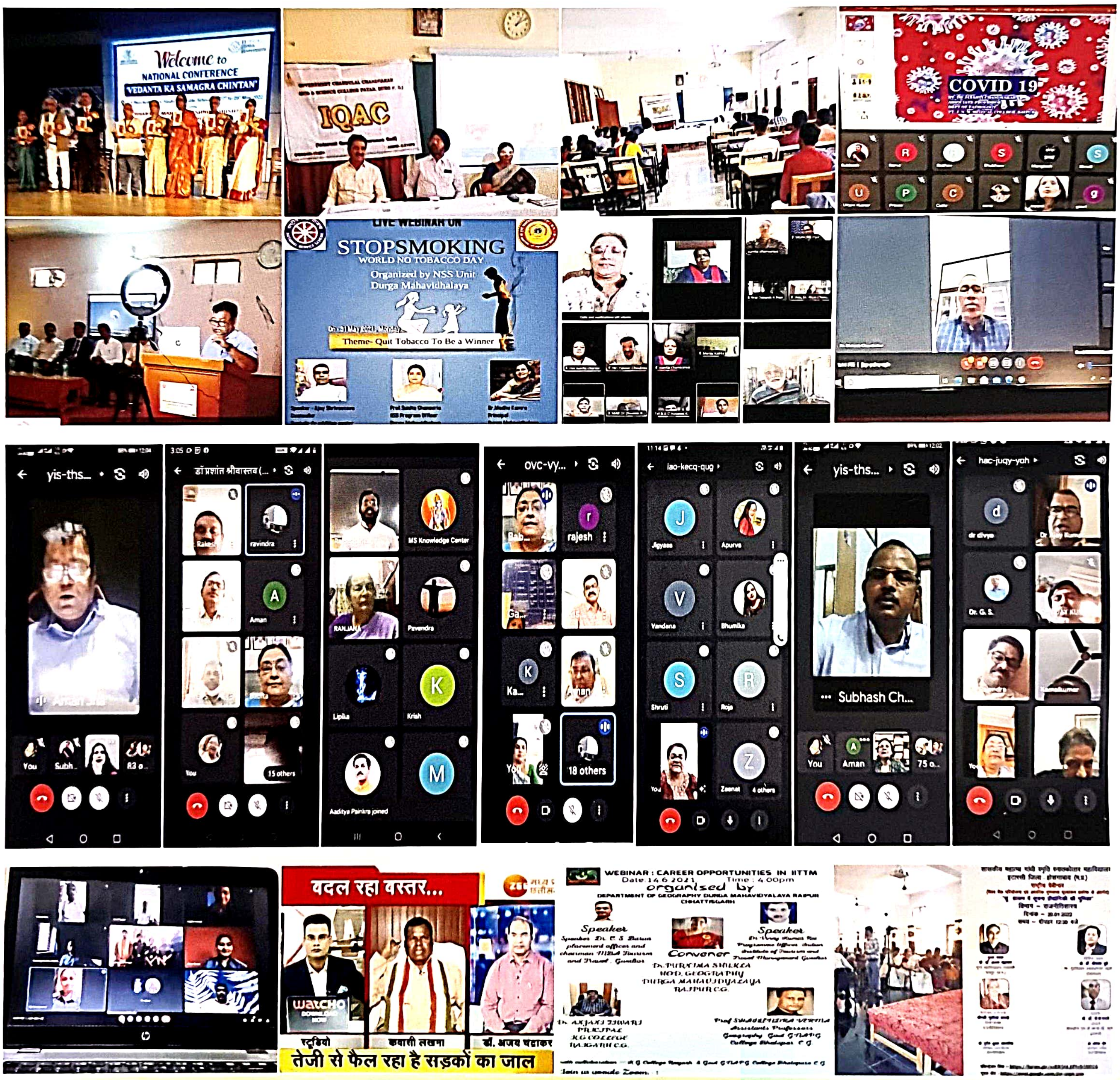

समाचार-पत्रों में महाविद्यालय की गतिविधियों का प्रकाशन

दुर्गा कालेज में ध्वजारोहण

अग्रेसर सोसायटी में मनाया दिवस समारोह

विजय दिवस उत्सव के अवसर पर प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

NYK holds 'Neighbourhood Youth Parliament' in Durga College

एयर एनसीसी के कैडेट्स ने महादेव घाट में किया 'रीसाइक्लिंग वेस्ट' का संग्रहण

Lt Gen Gurbirpal Singh visits CG

जैव विविधता का बने रहना हमारे अस्तित्व के लिए जरूरी

रायपुर@ पत्रिका. जैव विविधता दिवस पर इको क्लब भूगोल विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना दुर्गा महाविद्यालय संयुक्त तत्वावधान में सकोरा वितरण किया गया। साथ ही परिचर्चा भी रखी गई जिसमें सभी ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम अधिकारी सुनीता चंसोरिया ने बताया, आज भी लोग जैव विविधता को लेकर जागरूक नही है। हमें जैव विविधता की महत्ता को समझना होगा। भूगोल विभाग के सहायक प्राध्यापक जेके होता ने बताया कि दुनिया में जितने भी जीव है वह सब एक-दूसरे से जुड़े हुए है। इसलिए जैव विविधता का बने रहना हमारे अस्तित्व के लिए जरूरी है। विद्यार्थियों ने सकोरे लेकर अपने अपने घरों में लगाने का संकल्प लिया।

कैडेट्स ने नुक्कड़ नाटक से दिया महिला सशक्तिकरण का संदेश

दुर्गा कालेज रासेयो ने किया स्वच्छ भारत-स्वस्थ मानस विषय पर कार्यशाला

एयर एनसीसी ने मनाया दुर्गा महाविद्यालय में योग दिवस

दुर्गा कॉलेज में छात्र परिषद शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

रायपुर। छात्र परिषद 2021 22 शपथ ग्रहण समारोह छत्तीसगढ़ शासन के कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दुर्गा महाविद्यालय में 10 जनवरी को मेरिट के आधार पर नव मनोनीत छात्र परिषद के पदाधिकारियों एवं छात्र प्रतिनिधियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ. उक्त समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर प्रतिभा मुखर्जी साहूकार एवं उप प्राचार्य डॉ सुरेंद्र कुमार अग्रवाल उपस्थित थे. इस अवसर पर छात्र परिषद के समस्त पदाधिकारी गण अध्यक्ष हर्षिता तिवारी उपाध्यक्ष श्रुति राय सचिव यामिनी निषाद एवं सह सचिव संस्कृति सिंह छात्र परिषद प्रभारी डॉक्टर विजय कुमार चौबे एवं छात्र परिषद गठन एवं संचालन समिति के समस्त सदस्य उपस्थित थे . कार्यक्रम का प्रारंभ प्राचार्य उप प्राचार्य एवं प्रोफेसर सुनीता चंसोरिया के द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन से हुआ जिसमें डॉक्टर विजय कुमार चौबे जी के द्वारा स्वस्तिवाचन एवं दीप प्रज्वलन मंत्रों के द्वारा किया गया . कार्यक्रम का मंच संचालन डॉक्टर अर्चना गुमास्ता एवं आभार प्रदर्शन डॉक्टर प्रगति दुबे द्वारा किया गया.

नवभारत

छात्रसंघ गठन के बाद शून्यवत रखने आदेश!

एक्सक्लूसिव नवभारत

आखिर जानकारी क्यों नहीं?

शपथ ग्रहण समारोह भी हो चुके

नवभारत Rajdhani - 17 May 2022

विद्यार्थियों ने प्राणायाम का वैज्ञानिक प्रभाव जाना

रासेयो दुर्गा महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजन

विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी हुए शामिल

पंचप्राण की हुई चर्चा

मुलाकात

फाइटर पायलट ने छात्रों को दिए टिप्स

नवभारत फोटो

नवभारत

देख नहीं सकती पर राजनीति विज्ञान में हासिल की पीएचडी की उपाधि

देवश्री के जज्बे से हारी दृष्टिहीनता

एक्सक्लूसिव नवभारत

प्राणायाम का वैज्ञानिक प्रभाव पर चर्चा का आयोजन

5 फीसदी ने लिया बूस्टर डोज

अब तक 3.30 करोड़ से लगे अधिक टीके

इन लोगों को लगनी है डोज

दुर्गा महाविद्यालय में मां सरस्वती की पूजा

दुर्गा महाविद्यालय में मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर बसंत पंचमी मनाई गई। प्राचार्य डा. प्रतिभा मुखर्जी साहूकार द्वारा सरस्वती माता की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया और पूजा अर्चना की गई। मंत्रोच्चार डा. वी.के चौबे ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक और कर्मचारी उपस्थित रहे। ● महाविद्यालय

पोषण पखवाड़ा

रायपुर/ 21 मार्च से 4 अप्रैल 2022 तक पोषण पखवाड़े का आयोजन भारत सरकार युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय नई दिल्ली के पत्र एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के पत्र के परी पालन में आज पोषण पखवाड़े का का आयोजन दुर्गा महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना सुनीता चंसोरिया द्वारा स्वामी

आत्मानन्द शासकीय शहीद स्मारक इंग्लिश मीडियम उत्कर्ष विद्यालय फाफाडीह रायपुर में किया गया इस कार्यक्रम अंतर्गत संतुलित आहार विषय पर चित्र कला एवं स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया विद्यालय के प्राचार्य श्री चांडक सर के निरदेशन में विद्यालय की शिवम विश्वकर्मा एवं तनुजा शर्मा मैडम का विशेष सहयोग रहा प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

दुर्गा कालेज में राष्ट्रीय युवा दिवस पर कार्यक्रम

27 छ.ग. एनसीसी बटालियन रायपुर द्वारा पवन कुमार जयसवाल को मिला बेस्ट कैडेट अवार्ड तथा एक हजार रुपए नगद

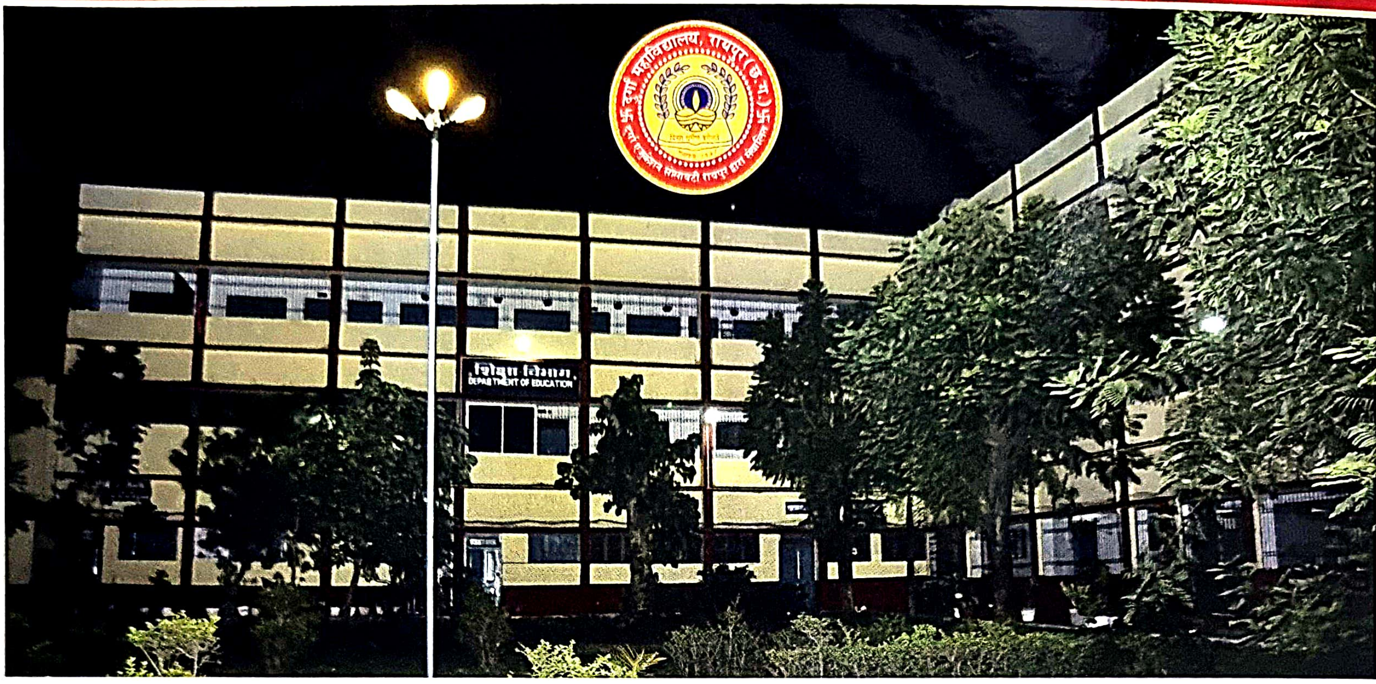

सौ. कुसुमताई दाबके विधि महाविद्यालय

के.के. रोड, मौदहा पारा, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष : 0771-2524500

अध्यापित पाठ्यक्रम

एल.एल.बी. (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)
Website : www.sktdlawcollege.in

एवं

विवेकानन्द महाविद्यालय

के.के. रोड, मौदहा पारा, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाष : 0771-2887918

अध्यापित पाठ्यक्रम

- बी.कॉम
- एम.कॉम
- पी.जी.डी.सी.ए.
- बी.सी.ए.
- बी.बी.ए.

Website : www.vivekanandcollege.in

दुर्गा एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित अन्य महाविद्यालय

दुर्गा महाविद्यालय

मूल्य 100/-

के.के. रोड, मौदहा पारा, रायपुर फोन : 0771-2523753, फैक्स : 2884300
E-mail : info@durgacollege.in, principal@durgacollege.in, Website : www.dugracollege.in

Akanksha Offset ... 26820122